॥ त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि ॥

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

खम्मा घणी !!

जनवरी-मार्च 2024, अंक - 04

वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'इग्नस 2024' के छायाचित्र

निदेशक का संदेश

'खम्मा घणी' के इस संस्करण को देखकर प्रसन्नता महसूस कर रहा हूँ। इस पत्रिका का हिंदी प्रारूप प्रारंभ में मासिक आधार पर जारी किया जाता था जिसे अब त्रैमासिक आधार पर प्रकाशित किया जा रहा है। यह पत्रिका राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जा रही है जो सभी के पठन हेतु उपलब्ध है। संस्थान में इस तिमाही के दौरान कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिनका विवरण इस पत्रिका में दिया गया है।

हमारा संस्थान राजभाषा हिंदी को सरकारी कामकाज और साथ ही दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में लोकप्रिय बनाने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। यह पत्रिका भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में होने वाली गतिविधियों की जानकारी देने के साथ-साथ एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है।

इस सुंदर पत्रिका के लिए प्रकाशन टीम को हार्दिक बधाई तथा भविष्य में और बेहतर प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ देते हुए, मैं आशा करता हूँ कि कुछ समय में यह पत्रिका तकनीकी विषयों को भी शामिल करेगी और देश में हिन्दी की एक अग्रणी पत्रिका के रूप में उभरेगी।

प्रोफेसर शांतनु चौधुरी
निदेशक, भा. प्रौ. सं. जोधपुर

पंकज कुमार सिंह
मंडल रेल प्रबंधक
PANKAJ KUMAR SINGH
Divisional Railway Manager

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय
Divisional Railway Manager Office
उत्तर पश्चिम रेलवे
North Western Railway
जोधपुर Jodhpur
फोन (Phone): 0291-2431187
e-mail: drm@ju.railnet.gov.in

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की त्रैमासिक पत्रिका 'खम्मा घणी' के चतुर्थ अंक के प्रकाशन पर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। इस पत्रिका के साथ-साथ संस्थान द्वारा गत छह माह में राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में अत्यंत प्रशंसनीय कार्य किए गए हैं।

संस्थान द्वारा 2-3 दिसंबर 2023 को आयोजित तकनीकी हिंदी संगोष्ठी में मुझे भी सहभागिता का अवसर मिला।

इस संगोष्ठी में प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं वैज्ञानिक विषयों पर विभिन आमंत्रित वक्ताओं, शोधार्थियों, छात्रों एवं शिक्षकों ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति, आलेखों एवं व्याख्यान द्वारा की। इन 74 आलेखों के 354 पृष्ठों के संकलित आलेख संग्रह का भी विमोचन किया गया, जो राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में अग्रणी कदम हैं।

इसके अतिरिक्त मुझे 28 दिसंबर 2023 को राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित उत्तरी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लेने का भी सुअवसर मिला जिसकी मेजबानी भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा की गई। यह सम्मेलन मुख्य अतिथि, श्री कलराज मिश्र, राज्यपाल राजस्थान की गरिमामय उपस्थिति में किया गया तथा विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यालयों से लगभग 600 वरिष्ठ अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारियों ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय द्वारा संस्थान में अंशकालिक टंकण प्रशिक्षण केन्द्र का भी उद्घाटन किया गया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के राजभाषा संबंधित कार्यों और प्रयासों का उदाहरण नराकास के अन्य कार्यालयों को देते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता होगी। आशा करता हूँ कि 'खम्मा घणी' पत्रिका भविष्य में भी, इसी प्रकार पाठकों के ज्ञानार्जन में सार्थक रहेगी।

पंकज

पंकज कुमार सिंह
अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (क्रमांक-1) एवं
मंडल रेल प्रबंधक, उपरे, जोधपुर

संपादकीय

मुख्य संरक्षक

प्रो. शांतनु चौधुरी

निदेशक / अध्यक्ष,

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

संरक्षक

प्रो. संपत राज वडेरा

उप निदेशक / उपाध्यक्ष,

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

प्रकाशन मंडल

डॉ. विवेक विजय

सह-आचार्य

गणित विभाग

डॉ. अंकुर गुप्ता

सह-आचार्य

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. जय नारायण त्रिपाठी

सहायक आचार्य

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. आकांक्षा चौधरी

सहायक आचार्य

स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स

डॉ. नितिन भाटिया

सह-आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी

विभाग एवं हिंदी अधिकारी

हमें हिंदी पत्रिका खम्मा घणी का यह चौथा संस्करण प्रकाशित करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। संस्थान में होने वाली मुख्य गतिविधियों को इस पत्रिका में सहेजने का प्रयत्न किया गया है।

इस अवधि में 75वें गणतंत्र दिवस का उत्सव एवं 2014 बैच के दस साल पूरे होने और पूर्व छात्र दिवस का उत्सव मनाया गया। साथ ही संस्थान ने उद्योग दिवस की भी मेजबानी की, जिसमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग के प्रतिष्ठित उद्योग प्रमुखों ने भाग लिया और शिक्षण और उद्योग के बीच साझेदारी कैसे बढ़ाई जाए, इस पर अपने विचार साझा किए। जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को इंगित करने के लिए महिला दिवस भी मनाया गया। संस्थान में रंगों का त्योहार 'होली' व मकरसंक्रांति का त्योहार जोर-शोर से मनाया गया। इन सभी कार्यक्रमो को सहेजते हुए इस पत्रिका का ई-संस्करण अब राजभाषा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

इसमें सम्मिलित लेखों के चयन के लिए जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय तथा संस्थान के अन्य कार्यालयों से सहायता ली गई है। इसके लिए सभी का आभार। आगे जारी किये जाने वाले संस्करणों की बेहतरी के लिए आप सभी के सुझावों का हृदय की गहराइयों से स्वागत है।

डॉ. नितिन भाटिया
हिंदी अधिकारी

विषय सूची

क्र. स.	विवरण	पृष्ठ स.
1.	75वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम	7
2.	डिजिटल फोरेंसिक पर 20 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	10
3.	पूर्व-छात्र दिवस (Alumni Day) 2024 और दशक – 2014	12
4.	भा.प्रौ.सं. जोधपुर और केस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी की सहभागिता	18
5.	AIOT इनोवेशन @IIT जोधपुर	19
6.	नोवेल मैक-आधारित प्रमाणीकरण	22
7.	स्वदेशी संवेदक सेंसर: वाष्पशील कार्बनिक यौगिक	25
8.	उद्योग दिवस 2024	27
09.	'आफ़ताब 24'	29
10.	अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन	30
11.	मेडिकल टेक्नोलॉजीस इनोवेशन पर भारतीय सम्मेलन (ICMI) 2024	32
12.	इग्नस 2024 (IGNUS 2024)	33
13.	'विरासत 24' स्पिकमैके (SPICMACAY) कार्यक्रम	35
14.	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह	37
15.	इंडियाज टेक-एड (India's Techade) चिप्स फॉर विकसित भारत	38
16.	विभागीय वार्ताएं	40
17.	कविता	42
18.	संस्थान में शामिल होने वाले नये स्टाफ एवं संकाय सदस्य	43

नोट: इस पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने हैं, प्रकाशन मंडल का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संपर्क सूत्र – office_hindi@iitj.ac.in दूरभाष - +91 291 2801199

संकलन एवं अनुवाद - अशोक गहलोत, कनिष्ठ अधीक्षक, सुरेश कुमार, कनिष्ठ सहायक

कवर डिज़ाइन- शिखा पाराशर, डिजीटल कॉन्टेंट डिजाइनर

75वें गणतंत्र दिवस का आयोजन

संस्थान में 75 वां गणतंत्र दिवस हर्षोत्साह के साथ मनाया गया। प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, ने तिरंगा फहराया तथा परेड की सलामी ली। संस्थान के सुरक्षा प्रहरियों द्वारा गणवेश में शानदार परेड का आयोजन किया गया। गणवेश के ऊपर केसरिया साफ़ा पहने यह वीर जवान आजादी के लिए लड़ने वाले देशभक्तों की छवि पेश कर रहे थे। निदेशक महोदय द्वारा परेड एवं समारोह में उपस्थित संस्थान के सदस्यों को संबोधित किया गया तथा समूह चित्र के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस के उत्सव को असाधारण बनाने के लिए देशभक्ति और सांस्कृतिक विविधता की भावना से एकजुट होकर संस्थान के विद्यार्थियों, केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों तथा अन्य कर्मचारियों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी विविध विरासत और प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने, भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय के भीतर एकता और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने का एक शानदार अवसर है। इस आयोजन की सफलता का श्रेय संस्थान के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और सहभागिता से ओतप्रोत रहा। सभी को उत्सव के दौरान विभिन्न गतिविधियों और प्रदर्शनों में भाग लेकर अपनी अद्वितीय क्षमताओं और रुचियों का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संगीत प्रदर्शन, नृत्य, नाटक, कविता पाठ और अन्य कलात्मक अभिव्यक्ति के साथ धूमधाम से यह समारोह आयोजित किया गया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं

गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के कार्मिकों के बच्चों के विभिन्न आयु समूहों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे गायन प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, संगीत वाद्ययंत्र बजाना प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, दौड़ प्रतियोगिता आदि। सभी विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। यह सभी के लिए बहुत खुशी का क्षण था, विशेषकर बच्चे अधिक उत्साहित थे। निदेशक महोदय ने समापन भाषण दिया और सभी को धन्यवाद दिया।

निदेशक, उप-निदेशक, एवं कुलसचिव के साथ सुरक्षा कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

गणतंत्र दिवस समारोह के छायाचित्र

रक्तदान शिविर

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में स्थित प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र ने एम्स जोधपुर के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की टीम के सहयोग से शुक्रवार, 26 जनवरी 2024 (गणतंत्र दिवस) को परिसर में एक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस शिविर में कुल 105 व्यक्तियों ने भाग लिया। रक्तदान के बाद, रक्त दाताओं को स्मृति चिह्न तथा प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

संस्थान के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित रक्तदान शिविर की झलकियाँ

"खुश आदमी वह है जिसका शरीर स्वस्थ है, आत्मा समृद्ध है और स्वभाव सुशिक्षित है"।

- थेल्स

डिजिटल फोरेंसिक पर 20 वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने अमेरिका के तुलसा विश्वविद्यालय के सहयोग से 4-5 जनवरी, 2024 को नई दिल्ली के इरोस होटल में डिजिटल फोरेंसिक पर 20 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रसंस्करण महासंघ कार्यकारी समूह (आईएफआईपी डब्ल्यूजी 11.9- International Federation for Information Processing Working Group 11.9) का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया ।

सम्मेलन में 15 देशों के फोरेंसिक प्रयोगशाला कर्मियों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, कानून प्रवर्तन कर्मियों और सरकारी अधिकारियों सहित विभिन्न जांच एजेंसियों के प्रमुख लोगों ने भाग लिया। इनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया शामिल थे। दो दिवसीय सम्मेलन में 7 सत्र शामिल किये गये - डीपफेक, डिजिटल फोरेंसिक मॉडल, नेटवर्क फोरेंसिक, डिजिटल फोरेंसिक उपकरण और तकनीक, क्लाउड फोरेंसिक, मोबाइल और एंबेडेड डिवाइस। फोरेंसिक औद्योगिक नियंत्रण प्रणाली एवं अन्य विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

इस कार्यक्रम में मुख्य व्याख्यान लेफ्टिनेंट जनरल एम. उन्नीकृष्णन नायर, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा "डिजिटल फोरेंसिक: दृष्टिकोण और दिशाएँ" पर दिया गया। डॉ. गौरव गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक और वैज्ञानिक-ई, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने "डिजिटल फोरेंसिक इकोसिस्टम का विकास" पर व्याख्यान दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) संतोष खडसरे - ईसेक फोर्ट टेक्नोलॉजीज ने मुख्य व्याख्यान देने वाले वक्ताओं का स्वागत करते हुए डिजिटल फोरेंसिक बुनियादी ढांचे के आत्मनिर्भरता एवं उत्पादों के स्वदेशी विकास की आवश्यकता पर जोर दिया।

सम्मेलन के बारे में बात करते हुए सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. गौरव गुप्ता ने कहा, "अपराधी पृथ्वी पर सबसे रचनात्मक लेकिन आलसी लोग हैं और उनके यह लक्षण कंप्यूटर धोखाधड़ी और साइबर अपराधों के खतरे से निपटने के लिए समाधान विकसित करने के लिए उपयोग में लाये जा सकते हैं। यह सम्मेलन दुनिया भर के शोधकर्ताओं और अभ्यासकर्ताओं के लिए अपने नवीन शोध कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। लोगों का डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर भरोसा सुनिश्चित करने और इसका पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए देश को डिजिटल फोरेंसिक मिशन की आवश्यकता है।"

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर सौमित्र कुमार सनाढ्य (मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी भा. प्रौ. सं. जोधपुर) ने सम्मेलन के आयोजन में अहम योगदान दिया। अपने कार्यक्षेत्र और सम्मेलन के बारे में बात करते हुए प्रोफेसर सनाढ्य ने कहा, "मेरा शोध कार्य क्षेत्र कंप्यूटर सुरक्षा के आसपास केंद्रित है। डिजिटल फोरेंसिक एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो ऐसे समाधान देने का वादा करता है जिससे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से जुड़े मामलों की जांच में तेजी लाकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लाभ पहुंचाया जा सकता है। डिजिटल फोरेंसिक पर 20वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन से जुड़ने का मेरा उद्देश्य डिजिटल फोरेंसिक के क्षेत्र में अनुसंधान करने में रुचि रखने वाले भारतीय छात्रों को इस क्षेत्र में होने वाले उच्च-स्तरीय शोध से परिचित कराना है।"

डिजिटल फोरेंसिक पर आई.एफ.आई.पी. वर्किंग ग्रुप 11.9 (IFIP WG 11.9) वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और चिकित्सकों का एक सक्रिय अंतरराष्ट्रीय समुदाय है जो डिजिटल फोरेंसिक के महत्वपूर्ण क्षेत्र में अनुसंधान और अभ्यास की कला को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। डिजिटल फोरेंसिक पर 20 वां वार्षिक आईएफआईपी डब्ल्यूजी 11.9 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के निष्कर्षण, विश्लेषण और संरक्षण से संबंधित मूल, अप्रकाशित शोध परिणामों और नवीन विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। MeitY के उद्देश्य और मिशन के साथ डिजिटल फोरेंसिक पर 20वें IFIP WG 11.9 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रासंगिकता और जुड़ाव डिजिटल फोरेंसिक के नए और दिलचस्प क्षेत्र में अनुसंधान प्रयासों को बढ़ावा देना है। डिजिटल फोरेंसिक अनुसंधान का निष्कर्ष सीधे कंप्यूटर प्रणाली और साइबर स्पेस के लिए सुरक्षित समाधान के विकास से संबंधित हैं।

मुख्य अतिथि महोदय का स्वागत

डिजिटल फोरेंसिक पर आयोजित बैठक में शामिल वक्ता गण

पूर्व छात्र दिवस (Alumni Day) 2024 और दशकीय पुनर्मिलन समारोह (दशक) – 2014 का सह-आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर में 27-28 जनवरी 2024 को वार्षिक "पूर्व छात्र दिवस" और 2014 की कक्षा के छात्रों के लिए "दशकीय पुनर्मिलन समारोह" वर्ष आयोजित किया गया। पूर्व छात्रों का स्वागत करने के लिए पूरा परिसर समुदाय एक साथ आया जिसमें बी.टेक., एम.टेक., एम.एस.सी. और विभिन्न पी.एच.डी. कार्यक्रमों के पूर्व छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। कई पूर्व छात्र, जो देश के बाहर कार्यरत है, इस समारोह में भाग लेने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े। दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी के संबोधन के साथ हुई। डॉ. शंकर मनोहरन, एसोसिएट डीन (अल्मनाई रिलेशन्स) ने समारोह का स्वागत भाषण दिया। प्रोफेसर कौशल देसाई, डीन (योजना और संसाधन), भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि वे संस्थान के मिशन का समर्थन करने हेतु किस प्रकार एक साथ आ सकते हैं। इनके अतिरिक्त श्री आशीष आसेरी, कोषाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. जोधपुर, पूर्व छात्र समाज ने सभा को संबोधित किया। संस्थान की पूर्व छात्र सोसाइटी ने निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी को पूर्व छात्र समुदाय के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए सम्मानित किया।

स्वागत भाषण देते हुए, एसोसिएट डीन (अल्मनाई रिलेशन्स) डॉ. शंकर मनोहरन ने बताया कि संस्थान की स्थापना के 15 वर्षों के उपरांत हम पूर्व छात्र समुदाय में वैश्विक स्तर पर 3500 से अधिक पूर्व छात्र जोड़ चुके हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला की किस प्रकार भा.प्रौ.सं. जोधपुर के पूर्व छात्र कई स्टार्टअप्स का नेतृत्व कर रहे हैं, सार्वजनिक क्षेत्र में उच्च पदों पर आसीन हैं, शिक्षा जगत में समस्या समाधानकर्ताओं की अगली पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं, शोधकर्ताओं के रूप में भारत के लिए प्रौद्योगिकी विकसित कर रहे हैं और जमीनी स्तर पर सामाजिक परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'पूर्व छात्र संबंध कार्यालय' पूर्व छात्रों के साथ जुड़े रहने, सहायता एवं सहयोग करने और उनकी उपलब्धियों को उचित मान्यता दिलाने में सदैव प्रयासरत रहेगा।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के विकास और परिवर्तन की यात्रा का विवरण प्रस्तुत करते हुए संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी ने संस्थान में अद्वितीय और लचीले शैक्षणिक कार्यक्रमों, अंतःविषयक अनुसंधान पहल और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रमुख हितधारकों के रूप में पूर्व छात्र भा.प्रौ.सं. जोधपुर को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने वाले भविष्य-संचालित संस्थान होने के अपने दृष्टिकोण (विजन) को प्राप्त करने के रास्ते पर तेजी लाने के लिए अपना समय और विशेषज्ञता का योगदान दे सकते हैं। प्रोफेसर चौधुरी ने पूर्व छात्रों को पारस्परिक विकास और लाभ के लिए रचनात्मक तरीकों से संस्थान की पहल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपनी वार्षिक परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष भी संस्थान ने विभिन्न श्रेणियों में पूर्व छात्रों में उत्कृष्टता की मान्यता (REYA- Recognizing Excellence in Young Alumni) -2023 पुरस्कारों की घोषणा की है। जिन पूर्व छात्रों को REYA 2023 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, उनका विवरण इस प्रकार हैः

'पूर्व-छात्र दिवस समारोह' एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के छायाचित्र

1. श्री निर्मल कुमावत, वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर, एटलसियन (Atlassian)
- प्रौद्योगिकी विकास की श्रेणी

2012 की कक्षा के कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में बी.टेक.के छात्र श्री निर्मल कुमावत ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान (DRDO) की आर.सी.आई. प्रयोगशाला में एक वैज्ञानिक के रूप में शुरुआत की, जो भारतीय मिसाइल प्रणालियों के लिए ऑनबोर्ड कंप्यूटिंग सॉफ्टवेयर (Onboard Computing Software) में योगदान दे रही है। उन्होंने सैमसंग और एडोबे सहित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में एक दशक का कार्य अनुभव अर्जित किया। वर्तमान में, एटलसियन में एक वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में वह एटलसियन उत्पादों के भीतर एआई/एमएल की पहल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्हें कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें एटलसियन में बिग कुडोस पुरस्कार और एडोबे में स्टार पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने एडोबे उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले फ़ॉन्ट के लिए नवीन सुविधाएँ विकसित करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका में मैक्स स्नीक इवेंट में मान्यता अर्जित की। उनके पास यू.एस.पी.टी.ओ. (USPTO) के साथ 17 से अधिक पेटेंट हैं, जो प्रौद्योगिकी को विकसित करने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं।

2. श्री सूरज नादिपेल्ली , निदेशक, अल्फा एडवाइजर्स
- प्रबंधकीय उत्कृष्टता श्रेणी

संस्थान से वर्ष 2012 में विद्युत अभियांत्रिकी में बी.टेक. के छात्र श्री सूरज नादिपेली ने 'विलियम एंड मैरी' से एमबीए की उपाधि प्राप्त की। बिजनेस एनालिटिक्स की पृष्ठभूमि के साथ, उन्होंने के.पी.एम.जी. (KPMG) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और 30 मिलियन डॉलर मूल्य की रणनीतिक डिजिटल परिवर्तन पहल का नेतृत्व किया। वर्तमान में, अल्फा एडवाइजर्स के निदेशक, सूरज को फॉर्च्यून 500 ग्राहक सेवा में प्रबंधकीय उत्कृष्टता और नेतृत्व के लिए पहचाना जाता है। के.पी.एम.जी. में कई पुरस्कारों से सम्मानित, वह शिक्षा और गरीबी उन्मूलन में सक्रिय रूप से स्वयंसेवा करते हैं। श्री सूरज को डिजिटल परिवर्तन और नेतृत्व विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए युवा पूर्व छात्र पुरस्कार में उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित किया गया।

3. **श्री दर्शन जोशी, पार्टनर, मैकिन्से एंड कंपनी**
- प्रबंधकीय उत्कृष्टता श्रेणी

संस्थान से वर्ष 2013 की कक्षा से विद्युत अभियांत्रिकी में बी.टेक. के छात्र श्री दर्शन जोशी ने इंडियन स्कूल ऑफ बिज़नेस से एम.बी.ए. की उपाधि प्राप्त की। 2016 में मैकिन्से एंड कंपनी में शामिल होकर, वह कंपनी में भागीदार बन गए, जो कम समय में एक विशिष्ट उपलब्धि थी। व्यवसाय परिवर्तन में पर्याप्त प्रभाव डालने के लिए उन्हें प्रबंधकीय उत्कृष्टता के लिए REYA से सम्मानित किया गया।

4. **श्री संजय कुमार राव , उपायुक्त, भारतीय राजस्व सेवा**
- सामाजिक योगदान श्रेणी

संस्थान से वर्ष 2013 की कक्षा से कंप्यूटर विज्ञान और अभियात्रिकी में बी.टेक. के छात्र श्री संजय कुमार राव ने भारतीय राजस्व सेवा कैडर में प्रवेश करने के लिए व्यक्तिगत कठिनाइयों का सामना किया। वर्तमान में डिप्टी कमिश्नर (अंकेक्षण वस्तु एवं सेवाकर, बीकानेर) के रूप में कार्यरत, उन्होंने सामाजिक आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है। उनके नेतृत्व में, सी.जी.एस.टी. (CGST) उदयपुर का राजस्व 39% बढ़ा और बीकानेर में वस्तु एवं सेवाकर राजस्व पांच गुना बढ़ गया। श्री संजय के सराहनीय सामाजिक योगदानों में उनका व्यक्तिगत '**उत्प्रेरक मिशन**', राजस्थान के 140 से अधिक स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करके सुलभ शिक्षा को बढ़ावा देता हैं जिसके लिए उन्हें उनके सामाजिक योगदान के लिए युवा पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया।

संस्थान के योजना और संसाधन सृजन कार्यालय (PRG Office) की पहल के बारे में बोलते हुए डीन (पी.आर.जी.) प्रोफेसर कौशल देसाई ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर में सकारात्मक बदलावों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 2014 की कक्षा के पूर्व छात्रों को उनके 10 साल पूरे होने पर बधाई दी। पूर्व छात्रों के जुड़ाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होने बताया कि 2019 में एलुमनी एसोसिएशन की स्थापना के पश्चात पूर्व छात्रों (Alumni) का एक मजबूत समुदाय बन गया और उन्होंने वित्तीय सहायता से परे पूर्व छात्रों द्वारा उद्देश्यपूर्ण योगदान को भी प्रोत्साहित किया। प्रोफेसर देसाई ने पूर्व छात्रों को संस्थान के विकास के लिए अपनी विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर की पूर्व छात्र समाचार पत्रिका - IITJ Almanac के विशेष अंक का विमोचन निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, उप निदेशक प्रोफेसर संपत राज वडेरा और कुलसचिव डॉ. हरिओम यादव ने किया।

संस्थान के विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सभी पूर्व छात्रों ने इन्क्यूबेशन सेंटर (टी.आई.एस.सी.), स्टूडेंट इनोवेशन स्पेस (अनविशा) और लाइब्रेरी परिसर के भ्रमण का आनंद लिया। पूर्व छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के पूर्व के अस्थाई परिसर और आवास का भी भ्रमण कराया गया। सोसायटी ऑफ एलुमनाई अफेयर्स द्वारा आयोजित छात्र संपर्क सत्र के साथ पहले दिन के कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसके बाद रात्रिभोज और मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्तमान छात्रों ने परिसर में पूर्व छात्रों के लिए एक सांस्कृतिक शाम की प्रस्तुत दी। यह शाम छात्रों द्वारा अपने वरिष्ठ पूर्व छात्र मित्रों को सम्मान के रूप में पेश की गई शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भरी थी।

सभी ने एक-दूसरे को और अपने प्रिय अल्मा मेटर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को अगले साल फिर से मिलने के वादे और नियमित वेबिनार, अनुसंधान और अकादमिक साझेदारी के माध्यम से संस्थान में वापस योगदान करने के दृढ़ विश्वास के साथ भावनात्मक विदाई दी।

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

‘पूर्व-छात्र दिवस’ एवं ‘दशक 2014’ समारोह की झलकियां

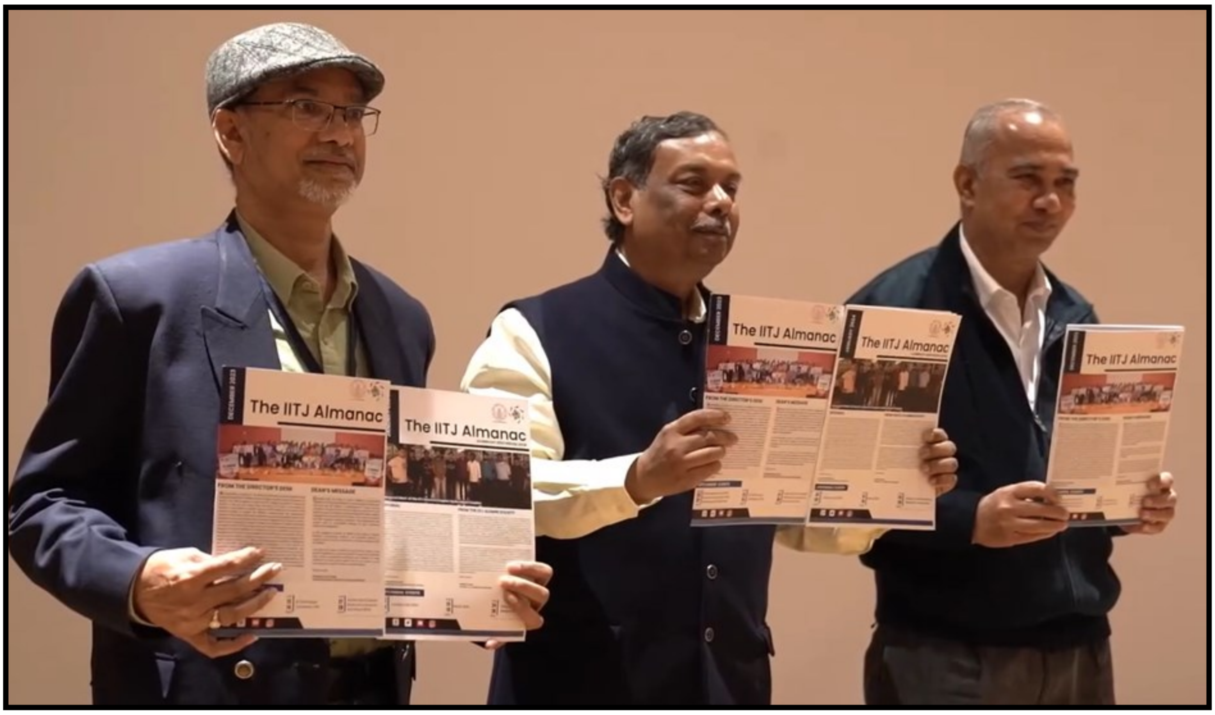

आईआईटीजे अलमनाक का अवतरण

'पूर्व-छात्र दिवस' एवं 'दशक 2024' समारोह के दौरान आयोजित खेल प्रतियोगिताएँ

भा.प्रौ.सं. जोधपुर और केस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी की सहभागिता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और केस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। प्रोफेसर एंड्रयू मेदवेदेव, डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, केस वेस्टर्न यूनिवसिटी की संस्थान में यात्रा के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भा.प्रौ. सं. जोधपुर का स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप अमेरिका के ओहायो राज्य के क्लीवलैंड में केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी के वेदरहेड स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस साझेदारी में संयुक्त शैक्षिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास, अनुसंधान और डॉक्टरेट छात्र प्रशिक्षण के लिए सहयोगी संरचनाएँ, सदस्यों और छात्रों के लिए विनिमय कार्यक्रम, विदेश में अध्ययन पहल, पी.एच.डी. छात्रों की संयुक्त मार्गदर्शन और सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएँ, व्याख्यान, सेमिनार और संगोष्ठियाँ शामिल हैं।

19 जनवरी, 2024 को हस्ताक्षरित यह एम.ओ.यू. भा.प्रौ.सं. जोधपुर में एक अभिनव "1+1" एम.बी.ए.-टेक छात्र कार्यक्रम का मार्ग प्रशस्त करता है। इच्छुक एम.बी.ए. छात्र अपना पहला वर्ष भा.प्रौ.सं. जोधपुर में और दूसरा वर्ष केस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी में पूर्ण करते हैं, जहाँ वे मास्टर ऑफ बिजनेस एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस, मास्टर ऑफ फाइनेंस, या मास्टर ऑफ सप्लाई चेन मैनेजमेंट में विशेषज्ञता चुन सकते हैं।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के प्रोफेसर अंकुर गुप्ता और प्रोफेसर एंड्रयू, डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, केस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान करते हुए

AIOT इनोवेशन हब" @IIT जोधपुर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑफ थिंग्स (AIOT) इनोवेशन हब की स्थापना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा एक स्वतंत्र संचालन इकाई के रूप में की गई है। यह भा.प्रौ.सं. जोधपुर में स्थित प्रौद्योगिकी पार्क में राजकॉम्प इंफो सर्विसेज लिमिटेड (आर.आई.एस.एल.), जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (जे.सी.के.आई.एफ.) और भा.प्रौ.सं. जोधपुर के बीच एक संयुक्त उद्यम है।
इसकी परिकल्पना अत्याधुनिक तकनीकों को विकसित करने, व्यावसायीकरण के लिए उद्योग के साथ तालमेल एवं हितधारकों की रणनीति/दिशा के अनुरूप स्थिरता के लिए की गई है। यह उद्यम सरकार की हाल ही में घोषित सेमीकंडक्टर नीति के अनुरूप है। भारत सरकार और राजस्थान सरकार की प्रगतिशील नीतियों के कियान्वयन के लिए भा.प्रौ.सं. जोधपुर टेक्नोलॉजी पार्क में ए.आई.ओ.टी. (AIOT) इनोवेशन हब फाउंडेशन का उद्देश्य प्रौद्योगिकी पार्क में स्टार्ट-अप, एम.एस.एम.ई. और अंतिम उपयोगकर्ता उद्योग के लिए एआईओटी (AIOT) सिस्टम के एंड-टू-एंड डिजाइन, विकास, प्रोटोटाइप और वितरण के लिए सुविधाओं का निर्माण करना है। साथ ही साथ अंतिम उपयोग के अनुरूप विकास, प्राप्ति और प्रदर्शन पात्रता के साथ प्रणाली के विकास पर जोर देना है।

एआईओटी (AIOT) इनोवेशन हब राजस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर डिवाइस और सिस्टम इकोसिस्टम बनाने की दिशा में पहला कदम है। राजस्थान सरकार की प्रगतिशील 'इलेक्ट्रॉनिक नीतियों' और वित्तीय सहायता के साथ, हब प्रौद्योगिकी विकास, प्रोटोटाइप और कौशल के लिए एम.एस.एम.ई. और स्टार्टअप का समर्थन करना जारी रखेगा।

AIOT इनोवेशन हब की कुछ प्रमुख पहलें और मुख्य कार्य बिंदु इस प्रकार हैं:

- भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संकाय और छात्रों की भागीदारी द्वारा AIOT प्रौद्योगिकियों और उत्पादों जैसे- उद्योग 4.0, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, पर्यावरण, जल प्रबंधन, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, पूर्वानुमानित रखरखाव, आदि के सह-निर्माण के साथ – साथ हब में आयोजित करने के लिए अनुप्रयोग क्षेत्रों में उद्योगों के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना।

- सहयोगी अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों (एम्स, सी.एस.आई.आर., भा.प्रौ.सं., आई.आई.एस.सी., आई.सी.एम.आर., आई.सी.ए.आर.) के साथ एक नेटवर्क बनाना ताकि अखिल भारतीय ज्ञान आधार और अनुसंधान एवं विकास ढांचे का लाभ उठाया जा सके और उन्हें ज्ञान भागीदार के रूप में शामिल किया जा सके। इस प्रकार, पुनरावृत्ति या एक जैसे कार्य से बचा जा सकता है।

- प्रमुख उद्यमों और उद्योग संघों - आई.बी.एम., कैडेंस, मार्वेल, एनएक्सपी, नेटएप, सैमसंग, कॉग्निजेंट, एसटी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, सिनोप्सिस, सीमेंस, एआई फाउंड्री बेंगलुरु, एल्सीना, सीआईआई और अन्य के समर्थन से उत्पाद विचार और प्रौद्योगिकी वितरण के लिए गठबंधन बनाना (उनमें से कई उद्योग संघो के साथ पहले से ही आपसी सहयोग और समझौता ज्ञापन मौजूद हैं)।

- अनुसंधान एवं विकास के लिए रणनीतिक अभिविन्यास "अवधारणा के प्रमाण" स्तर के बजाय "पूर्व-व्यावसायिक" स्तर का होना चाहिए, जिससे हब के लिए व्यवहार्य व्यावसायिक संभावना सुनिश्चित करने वाले उत्पादों की संभावित खपत के लिए व्यापार भागीदारों को संरेखित किया जा सके।

- एंजेल निवेशकों और वेंचर कैपिटलिस्ट फंडों का समर्थन।

- पूर्ण कार्यात्मक, MeitY, MSME, BIRAC द्वारा मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेशन सेंटर जिसका नाम 'आईआईटीजे टेक्नोलॉजी इनोवेशन एंड स्टार्ट-अप सेंटर' (टी.आई.एस.सी.) है, स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए मौजूद है।

- भारत सरकार के डी.एस.टी. द्वारा केंद्र समर्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में कंप्यूटर विजन, संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता पर टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब के साथ सहयोगी गठबंधन।
- भा.प्रौ.सं. जोधपुर में संचालित विभिन्न केंद्रों का लाभ जैसे- आयुर्टेक उत्कृष्टता केंद्र, नवीकरणीय ऊर्जा उत्कृष्टता केंद्र, डीआरडीओ-उद्योग-अकादमिया उत्कृष्टता केंद्र, मेडिकल टेक्नोलॉजीज केंद्र (भा.प्रौ.सं. जोधपुर और एम्स जोधपुर संयुक्त केंद्र), आदि।
- टेक्नोलॉजी पार्क में अर्थ एआई - नोएडा, जौहरी डिजिटल हेल्थकेयर लिमिटेड - जोधपुर और व्हिज़हैक - गुड़गांव (सभी समझौते लागू) द्वारा इनोवेशन लैब स्थापित की जा रही हैं। प्रस्तावित ए.आई.ओ.टी. (AIOT) इनोवेशन हब स्टार्टअप गतिविधियों को और बढ़ावा देगा जो कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (Meity) द्वारा स्टार्टअप कार्यक्रम के लिए चिप्स का निर्माण/उत्थान भी कर सकता है।

प्रमुख सफलता संकेतक:

1. **भा.प्रौ.सं. जोधपुर की शैक्षणिक क्षमता**: 260 से अधिक पूर्णकालिक संकाय सदस्यों एवं विद्युत अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान, आई.ओ.टी. पर अंतःविषयक अनुसंधान मंच (आई.डी.आर.पी.) स्कूल ऑफ एआई और डेटा साइंस और अन्य विभागों के साथ – एआईओटी (AIOT) अनुसंधान समूह में शामिल संकाय सदस्यों के पास सेंसर डिजाइन और निर्माण, डिवाइस पैकेजिंग, रीड-आउट इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल डिजाइन, एम्बेडेड एआई, संसाधन सीमित मशीन लर्निंग, भरोसेमंद मशीन लर्निंग, वायरलेस संचार, फ़ेडरेटेड लर्निंग, संचार नेटवर्क इत्यादि में विशेषज्ञता है। एम्स (मास्टर्स/पी.एच.डी.), टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन और स्टार्टअप सेंटर (ज्यादातर मेडिकल डोमेन में लगभग 20 स्टार्टअप संचालित होते हैं), आयुरटेक में उत्कृष्टता केंद्र, नवीकरणीय ऊर्जा के लिए उत्कृष्टता केंद्र, साइबर फिजिकल सिस्टम सुरक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र, आईहब दृष्टि कार्यक्रम, जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन क्लस्टर के लिए जे.सी.के.आई.सी. और जौहरी मेडिकल टेक्नोलॉजीज सेंटर के साथ संयुक्त कार्यक्रमों के माध्यम से ए.आई.ओ.टी. (AIOT) क्षेत्रों में अतिरिक्त जनशक्ति को शामिल करने के लिए पी.एच.डी. और एम.टेक कार्यक्रमों का विस्तार किया जा रहा है।

2. **औद्योगिक ज्ञान**: भा.प्रौ.सं. जोधपुर में उद्योग परियोजनाओं की प्रकृति से स्पष्ट है कि संकाय सदस्य उद्योग के साथ सहयोग के प्रति सक्रिय हैं, संकाय सदस्यों के पास भा.प्रौ.सं. जोधपुर में शामिल होने से पहले अकादमिक और प्रत्यक्ष उद्योग में काम करने का अनुभव है। उद्यमों के प्रमुख और विजिटिंग प्रोफेसर संकाय के साथ संस्थान में सहभागिता प्रदान कर रहे हैं।

3. **वर्तमान कंपनियों का सहयोग**: निम्नलिखित उद्योग वर्तमान में इस प्रयास का समर्थन कर रहे हैं: एमएसएमई, ईएलसीना कंपनियों में से 7 ने ए.आई.ओ.टी. (AIOT) इनोवेशन हब में भाग लेने में बहुत सक्रिय रुचि दिखाई है और कई अन्य पर चर्चा चल रही है। ये कंपनियां - सहस्र इलेक्ट्रॉनिक्स, डेकी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, आई-पी.ई.सी. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आई.पी.ई.सी. ड्राइव सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, एस.जी.एस. टेक्निक्स मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड, एम.ई.एल. सिस्टम्स एंड सर्विसेज, ओ/ई/एन इंडिया लिमिटेड हैं।

सुविधा सृजन के सामाजिक लाभ:

ए.आई.ओ.टी. इनोवेशन हब का लक्ष्य "भारत में सिस्टम" विकसित करना है एआईओटी (AIOT) अनुप्रयोगों में विभिन्न प्रकार के क्षेत्र शामिल हैं जैसे स्मार्ट हेल्थकेयर, पर्यावरण निगरानी, जल गुणवत्ता निगरानी, खाद्य गुणवत्ता निगरानी, उद्योग 4.0, कृषि, स्मार्ट परिवहन, शिक्षा, ऊर्जा ग्रिड आदि।

यह सुविधा एआईओटी (AIOT)-आधारित डिवाइस बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी जैसे -

1. रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग सक्षम आईओटी डिवाइस (जो स्वास्थ्य पेशेवरों को दूर से मरीजों की निगरानी करने की अनुमति देता है; समय पर देखभाल प्रदान करता है और अस्पताल में रहने की संख्या को कम करता है)
2. फिटनेस ट्रैकर और स्मार्टवॉच जैसे पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरण व्यक्तियों को उनके स्वास्थ्य की निगरानी करने में मदद करते हैं।
3. ट्रैफ़िक प्रबंधन (IoT सेंसर और डेटा एनालिटिक्स ट्रैफ़िक प्रवाह को अनुकूलित कर सकते हैं; भीड़भाड़ को कम कर सकते हैं और सड़क सुरक्षा में सुधार कर सकते हैं)
4. स्मार्ट सिटी पहल (बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन, बेहतर सार्वजनिक परिवहन और बढ़ी हुई सार्वजनिक सुरक्षा सहित)
5. पर्यावरण सेंसर (जो स्वच्छ और स्वस्थ शहरी वातावरण के लिए वायु गुणवत्ता, ध्वनि प्रदूषण की निगरानी कर सकते हैं)
6. विनिर्माण उपकरणों में IoT सेंसर (यह अनुमान लगाने में मदद करने के लिए कि मशीनों को कब रखरखाव की आवश्यकता है, डाउनटाइम और उत्पादन लागत को कम करना)
7. गुणवत्ता नियंत्रण (IoT-सक्षम गुणवत्ता नियंत्रण प्रणालियाँ उत्पाद की गुणवत्ता और स्थिरता में सुधार करती हैं) आदि इनमें से कुछ हैं।

कंठस्थ 2.0

* ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है।
* ट्रांसलेशन मेमोरी (टी.एम.) मशीन-साधित अनुवाद प्रणाली का एक भाग है जिससे अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है । ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटाबेस है जिसमें स्रोत भाषा (Source language) के वाक्यों एवं लक्षित भाषा (Target language) में उन वाक्यों के अनुदित रूप को एक-साथ रखा जाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनः-प्रयोग कर सकता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डेटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम. से लाता है।
* ट्रांसलेशन मेमोरी डेटाबेस बनाने के लिए स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उनके अनुवादित वाक्यों का विश्लेषण किया जाता है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करते रहने से टी.एम. का डेटाबेस उतरोत्तर बढ़ता रहता है।

नोवेल मैक-आधारित प्रमाणीकरण योजना

Noval MAC Based Authentication Scheme

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने नोवेल मैक-आधारित प्रमाणीकरण योजना (NoMAS – Noval MAC Based Authentication Scheme) नामक एक अत्याधुनिक तकनीक पेश की है, जो भविष्य के परिवहन के परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने की क्षमता रखती है। यातायात की भीड़ को कम करने और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने की अपनी क्षमता के साथ यह नवाचार एक महत्वपूर्ण कदम है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के शोधकर्ताओं ने अगली पीढ़ी की परिवहन प्रणाली के लिए फ़ेडरेटेड लर्निंग (Federated learning)- आधारित ड्राइवर अनुशंसा भी विकसित की है। इस प्रणाली की उल्लेखनीय विशेषता ड्राइविंग पैटर्न का विश्लेषण करके ड्राइवर के तनाव स्तर को मापने की क्षमता है।

नोवेल मैक-आधारित प्रमाणीकरण योजना (NoMAS) का उद्देश्य न केवल वाहनों की सुरक्षा और बुद्धिमत्ता को बढ़ाना है, बल्कि भारतीय सड़कों पर विद्यमान बहुत सारी चुनौतियों का समाधान भी करना है। यह वाहनों के बीच सुरक्षित और वास्तविक समय (Real Time) संचार को सक्षम करके सड़क सुरक्षा में योगदान दे सकता है, जिससे उन्हें सड़क की स्थिति, दुर्घटनाओं और ट्रैफिक जाम के बारे में जानकारी साझा करने की अनुमति मिल सकती है। यह जानकारी ड्राइवरों की जागरूकता बढ़ाने और टकराव से बचने के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। NoMAS वाहनों के बीच सड़क की स्थिति पर आंकड़ो के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करके सड़क सुरक्षा में सुधार करने में भी सहायता कर सकता है। यह जानकारी ड्राइवरों को पहले से ज्ञात सूचना के आधार पर निर्णय लेने और सड़क खतरों से बचने में मदद कर सकती है।

NoMAS का उपयोग दुर्घटनाओं या खतरनाक रास्तों की स्थिति में आपातकालीन अलर्ट के तेजी से प्रसार की सुविधा के लिए किया जा सकता है। इससे आस-पास के वाहनों को आवश्यक सावधानी बरतने और आपातकालीन सेवाओं को तुरंत सचेत करने में मदद मिल सकती है। IoV नेटवर्क के माध्यम से एकत्र और साझा किए गए आंकडों का विश्लेषण दुर्घटना-संभावित क्षेत्रों, जोखिम भरे व्यवहार के पैटर्न, या सड़क में सुधार की आवश्यकता की पहचान करने के लिए भी किया जा सकता है। इसके पश्चात सम्बंधित अधिकारी इन मुद्दों के समाधान के लिए सक्रिय कदम उठा सकते हैं। NoMAS सुरक्षा उपाय वाहनों को चोरी और अनाधिकृत उपयोग से बचाने में भी मदद कर सकते हैं।

प्रस्तावित NoMAS MAC-आधारित प्रमाणीकरण योजना IoV नेटवर्क में प्रमुख प्रकटीकरण कमजोरियों और डेटा चोरी संबंधी चिंताओं को दर्शाती है। NoMAS निष्पादन से समझौता किए बिना मौजूदा योजनाओं की तुलना में कम्प्यूटेशनल और संचार ओवरहेड को काफी कम कर देता है, जैसा कि विभिन्न उपकरणों का उपयोग करके औपचारिक सुरक्षा प्रमाणों के माध्यम से सत्यापित किया गया है। यह एन्क्रिप्शन न केवल डेटा गोपनीयता सुनिश्चित करता है बल्कि निष्पादन (Performance) को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है, कार्यभार को 99.60% तक कम करता है और मौजूदा तरीकों की तुलना में संचार आवश्यकताओं को लगभग 81% तक कम करता है।

NoMAS ऑन-बोर्ड यूनिट (OBU) की मदद से भारत में विभिन्न प्रकार के वाहनों के साथ आसानी से काम कर सकता है, इसके माध्यम से वे संचार करने और IoV नेटवर्क बनाने में सक्षम हैं। IoV में , वाहनों और अन्य IoV घटकों के बीच संचार डेडिकेटेड शॉर्ट-रेंज कम्युनिकेशन (DSRC-Dedicated Short Range Communication) प्रोटोकॉल और वायरलेस एक्सेस इन वेहिकल एनवायरनमेंट (WAVE-Wireless Access in Vehicular Environment) प्रोटोकॉल का उपयोग करके किया जा सकता है।

डॉ. देबासिस दास, सह प्रोफेसर और सुश्री हिमानी सिकरवार, पीएच.डी. छात्र, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, भा.प्रौ.सं. जोधपुर के द्वारा IEEE ट्रांजेक्शन्स ऑन इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स में इस विषय पर एक शोधपत्र प्रकाशित किया गया हैं।

इस शोध को ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस (Global Innovation & Technology-GITA Alliance), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (Dept. of Science & Technology-DST), विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (Science and Engineering Research Board-SERB), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), और डकीटाउन (Duckietown) , ईटीएच ज्यूरिख (ETH Zurich) और मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (MIT) के कंप्यूटर विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला (CSAIL-Computer Science and Artificial Intelligence Laboratory), संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

उसी शोध के अनुरूप, भा.प्रौ.सं .जोधपुर के शोधकर्ताओं ने अगली पीढ़ी की परिवहन प्रणाली के लिए एक फ़ेडरेटेड लर्निंग-आधारित ड्राइवर अनुशंसा भी विकसित की है। तनाव में वाहन चलाने से न केवल चालक को बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों को भी खतरा होता है। ऐसे कई कारक हैं जो ड्राइवरों को तनाव में डालते हैं। यह प्रणाली विभिन्न ड्राइविंग प्रकारों और तनाव स्तरों की पहचान करने के लिए वाहन टेलीमैटिक्स आँकड़े एकत्र करती है। एक बार जब सिस्टम यह पता लगा लेता है कि कोई व्यक्ति तनाव में गाड़ी चला रहा है, तो इसे विभिन्न हस्तक्षेपों के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है, जिसमें लगातार यात्रा के बीच विराम लेना, चेतावनी संदेश प्रदर्शित करना और तनावग्रस्त ड्राइविंग के लिए जुर्माना लगाना शामिल है।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के शोधकर्ताओं ने डीडी-मॉनिटर (DD Monitor-Driver's Driving Monitor) नामक एक टेस्टबेड विकसित किया है जो वास्तविक समय में ड्राइविंग डेटा एकत्र करने और तनावग्रस्त और असामान्य ड्राइविंग व्यवहार की पहचान करने में सक्षम है।

जोधपुर शहर की सड़कों पर डीडी-मॉनिटर का एक रन (ट्रायल) पहले ही आयोजित किया जा चुका है जो सफल रहा। डीडी-मॉनिटर की खासियत यह है कि यह हर व्यक्ति के लिए उपयोगी है। माता-पिता इसका उपयोग अपने बच्चों की निगरानी के लिए कर सकते हैं। कार किराये पर देने वाली कंपनियाँ वाहन चलाने के तरीके के आधार पर किराया वसूल कर सकती हैं।

इस शोध के लिए टीम में डॉ. देबासिस दास के साथ-साथ श्री जयंत व्यास, शोध विद्वान, VANET लैब, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. जोधपुर, सुश्री भूमिका, शोध विद्वान, VANET लैब, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, भा. प्रौ.सं. जोधपुर और प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, निदेशक, भा.प्रौ.सं. जोधपुर शामिल हैं। यह जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (जे.सी.के.आई.एफ.), भा.प्रौ.सं. जोधपुर के साथ सहयोगात्मक शोध है।

भारतीय सड़क पर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए इन दोनों शोधों के महत्व के बारे में बात करते हुए, भा.प्रौ.सं .जोधपुर के कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देबासिस दास ने कहा, "हम नोवेल मैक-आधारित प्रमाणीकरण योजना (NoMAS–Noval MAC Based Authentication Scheme) वाहनों के इंटरनेट की सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए एक अभूतपूर्व समाधान के रूप में पेश करते हुए उत्साहित हैं। NoMAS के साथ , हमने डेटा सुरक्षा, संचार ओवरहेड और सुरक्षा कमजोरियों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास किया है। इसके अलावा, हमारा अगली पीढ़ी की परिवहन प्रणाली के लिए फ़ेडरेटेड लर्निंग-आधारित ड्राइवर अनुशंसा ड्राइवर तनाव का पता लगाने और व्यवहार विश्लेषण करने में मदद करती है । ये प्रौद्योगिकियां प्रदूषण, यातायात भीड़ को कम करेंगी और सड़क दुर्घटनाओं को भी कम करेंगी।"

सरल प्रशासनिक शब्दावली

क्र.सं.	अंग्रेजी शब्द	हिंदी समानार्थी शब्द
01	Abeyance	स्थगन, अस्थायी रोक, प्रास्थगन
02	Abide	पालन करना, दृढ़ रहना, कायम रहना, मान लेना
03	Abnormal	अनुचित, असामान्य, असाधारण, अस्वाभाविक, अपसामान्य
04	Above par	अधिमूल्य पर
05	Abrogate	निरस्त करना, रद्द करना, निराकरण करना (विधि)
06	Abridge	कम करना (जैसे शक्ति), संक्षिप्त करना (जैसे रिपोर्ट)
07	Abrogate	निरस्थ करना, रद्द करना, निराकरण करना (विधि)
08	Absolve	विमुक्त करना
09	Abstract	सार
10	Absurd	अर्थहीन, बेतुका
11.	Abuse of power	शक्ति का दुरूपयोग
12.	Academic	अकादमिक, शैक्षिक, विद्या संबंधी, शास्त्रीय
13.	Academic council	विद्वत् परिषद्

संवेदक सेंसर: वाष्पशील कार्बनिक यौगिक
(VOC - Volatile Organic Compounds)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने कमरे के तापमान पर काम करने वाले धातु ऑक्साइड और नैनो सिलिकॉन पर आधारित एक मानव नाकरूपी श्वास संवेदक विकसित किया है। डिवाइस का प्राथमिक कार्य शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों में सांस में अल्कोहल की मात्रा को मापना है। हालाँकि सेंसिंग परतों में कुछ बदलाव एवं सेंसर की एक श्रृंखला (इलेक्ट्रॉनिक नाक या कृत्रिम नाक के लिए) और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग के साथ-साथ यह अस्थमा, मधुमेह केटोएसिडोसिस (ketoacidosis), क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी रोग (chronic obstructive pulmonary), स्लीप एपनिया और कार्डियक अरेस्ट जैसी बीमारियों के लक्षण वर्णन के लिए भी बहुत उपयोगी हो सकता है, जहाँ व्यक्ति की सांस में वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOC) की निगरानी की जाती है।

मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण पर वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में बढ़ती चिंताओं को देखते हुए, एक त्वरित, किफायती, गैर आक्रामक (non-invasive) स्वास्थ्य निगरानी उपकरण के विकास की अधिक आवश्यकता थी। मौजूदा सेंसर ,ईंधन सेल-आधारित तकनीक (fuel cell-based technology) या मेटल ऑक्साइड तकनीक पर आधारित हैं। इसलिए इसने शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करने और एक श्वास वीओसी सेंसर विकसित करने के लिए प्रेरित किया, जिसकी लागत मौजूदा ईंधन सेल प्रौद्योगिकी-आधारित डिवाइस से कम है। इसी तरह, टीम ने आंशिक रूप से कम ग्राफीन ऑक्साइड पर आधारित एक श्वास निगरानी सेंसर विकसित किया है। यह शोध श्री निखिल वडेरा, पी.एच.डी. छात्र, आई.डी.आर.पी.- स्मार्ट हेल्थकेयर, भा.प्रौ.सं .जोधपुर, और डॉ. साक्षी धानेकर , सह-आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं .जोधपुर द्वारा IEEE सेंसर्स जर्नल (IEEE Sensors Journal) में प्रकाशित किया गया है।

इसी तरह की इलेक्ट्रॉनिक नाक का उपयोग पर्यावरण में वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOC) की निगरानी के साथ-साथ सेंसर और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम को संशोधित करके बीमारी के लिए अन्य श्वास जैव मार्कर (बायोमार्कर) का पता लगाने और माप के लिए किया जा सकता है। वी.ओ.सी. (VOC) कार्बनिक रसायनों का एक विविध समूह है जो हवा में वाष्पित हो सकता है और आमतौर पर विभिन्न उत्पादों और वातावरणों में पाया जाता हैं। वर्तमान श्वास विश्लेषक या तो भारी हैं; या छोटे श्वास विश्लेषक को लंबे समय तक तैयारी के समय एवं ताप की आवश्यकता होती है। इससे डिवाइस की बिजली खपत बढ़ जाती है और लंबा इंतजार करना पड़ता है। विकसित सेंसर कमरे के तापमान पर काम करता है और आसानी से उपयोग (प्लग एंड प्ले) किया जा सकता है।

इस उपकरण के पीछे की तकनीक कमरे के तापमान पर संचालित हेटरोस्ट्रक्चर (heterostructure) (नैनो सिलिकॉन के साथ धातु ऑक्साइड -metal oxide with nano silicon) के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक नाक है। सेंसर नमूने अल्कोहल के साथ प्रतिक्रिया करते हैं और प्रतिरोध में बदलाव दर्शाते हैं। यह परिवर्तन नमूने में अल्कोहल की सांद्रता के समानुपाती होता है। इसके अलावा, इस सेंसर सारणी से एकत्र किए गए आंकड़ों / डेटा को सांस के विभिन्न घटकों के पैटर्न की पहचान करने और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के मिश्रण से अल्कोहल को अलग करने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके संसाधित (processed) किया जाता है।

इस अनुसंधान को जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन अनुदान योजना (BIG - Biotechnology Ignition Grant Scheme), जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC - Biotechnology Industry Research Assistance Council), विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (SERB - Science and Engineering Research Board), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

शोध के भविष्य के दायरे के बारे में बात करते हुए, डॉ. साक्षी धानेकर , सह-आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने कहा, "इस दिशा में निरंतर अनुसंधान और विकास से स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण से लेकर पहनने योग्य प्रौद्योगिकी (wearable technology) और IoT अनुप्रयोगों तक विभिन्न क्षेत्रों में सांस निदान के व्यावहारिक कार्यान्वयन को बढ़ावा मिल सकता है। सेंसर के आउटपुट को रास्पबेरी पाई (Raspberry Pi) से जोड़ा जा सकता है और आंकडों को चिकित्सक के पास फोन द्वारा भी भेजा जा सकता है।"

उन्होंने आगे बताया कि यह स्टार्ट-अप 'सेंसकृति टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' समाज के लाभ के लिए नवप्रवर्तन (इनोवेशन) करता है । टीम अनुसंधान में चुनौतीयों को एक अवसर के रूप में देखती है और रचनात्मकता, दृढ़ता और असाधारण टीम वर्क इन तीन साधनों का उपयोग करके उन्हें हल करती है।

उपलब्धि

डॉ. निशांत कुमार (सहायक आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग), भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आई.एन.वाई.ए.एस.) सोसाइटी के सदस्य चुने गये

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आई.एन.वाई.ए.एस.) भारत की पहली और एकमात्र मान्यता प्राप्त युवा वैज्ञानिक अकादमी है। इसकी स्थापना दिसंबर 2014 में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई.एन.एस.ए.) परिषद द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवा वैज्ञानिकों के बीच विज्ञान शिक्षा और नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

"एक छात्र का सबसे महत्वपूर्ण गुण यह है कि वह हमेशा अपने अध्यापक से सवाल पूछे।"

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

उद्योग दिवस 2024

उद्योगों और हमारे शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों के बीच संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 1-2 फरवरी, 2024 को उद्योग दिवस 2024 आयोजित किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और उद्यमियों को सार्थक चर्चा में शामिल करने और मजबूत उद्योग-शैक्षणिक संबंधों के लिए आगे बढ़ने का रास्ता तैयार करने की योजना पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

उद्योग दिवस-2024 भविष्य के परिदृश्य को प्रभावित करने वाले अग्रणी विषयों पर केंद्रित गतिविधियों और चर्चाओं का एक प्लेटफॉर्म है। सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए, यह कार्यक्रम सभी हितधारकों के लिए एक साथ आने और उद्योग के नेताओं, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप की सम्मानित कंपनी में अपनी उपलब्धियों और अद्वितीय योगदान को प्रस्तुत करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य करता है। इस कार्यक्रम के दौरान उद्योग जगत के प्रमुखों ने अपनी बात रखी। यह विभिन्न क्षेत्रों और उनके विशेषज्ञों का एक महान मिश्रण था।

कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह दिनांक 1 फरवरी 2024 को सुबह 09:00 बजे ऑडिटोरियम, ज्ञान चंद्र घोष कॉम्प्लेक्स में किया गया तथा यह कार्यक्रम दो दिनों तक विभिन्न सत्रों में चला। इस कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया, ये सत्र थे:

- एआई सिस्टम
- सेंसर और एज इंटेलिजेंस
- फिनटेक
- स्मार्ट और सस्टेनेबल सिटी
- एआर-वीआर और मेटावर्स
- मेडटेक और डिजिटल हेल्थकेयर
- रोबोटिक्स और ईवी
- स्थिरता के लिए प्रौद्योगिकी
- उद्योग 4.0
- स्वच्छ ऊर्जा

मंचासीन गणमान्य (बाएं से दाएं) प्रो. संपत राज वडेरा, उप-निदेशक भा.प्रौ.सं. जोधपुर, डॉ. संगीता गर्ग, टीसीएस कॉइन, श्री राजेश कुमार पाठक, सचिव प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, श्री महेंद्र सिंघी, एमडी, डालमिया सीमेंट एवं प्रो. शांतनु चौधुरी, निदेशक भा.प्रौ.सं. जोधपुर।

उद्योग में बदलते रुझानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर-फिजिकल सिस्टम, सेंसर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में नए यूजी, पीजी और अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किए हैं। संस्थान अब अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डिजिटल मानविकी, स्वायत्त मानव रहित वाहन, स्मार्ट स्वास्थ्य, संज्ञानात्मक विज्ञान और क्वांटम कंप्यूटिंग सहित उभरते डोमेन में अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देता है। छात्रों (यू.जी., पी.जी., पी.एच.डी.) को उद्यमिता को आगे बढ़ाने या अपने कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रौद्योगिकी अनुवाद में शामिल होने में सक्षम बनाने के लिए पाठ्यक्रम में विशेष प्रावधान बनाए गए हैं। संस्थान यह साझा करते हुए उत्साहित है कि इसने न केवल संकायों के लिए बल्कि छात्रों के लिए भी औद्योगिक हित की समस्याओं को हल करने के लिए बहु-विषयक परियोजनाओं और अनुसंधान एवं विकास में योगदान करने के लिए प्रायोजित और औद्योगिक अनुसंधान के अवसरों को सक्षम करने के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है।

उद्योग दिवस 2024 के कुछ चित्र

‘आफ़ताब 24’

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का वार्षिक साहित्य महोत्सव ‘आफ़ताब’ अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर मनाया गया, जो प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का यह एक दिवसीय उत्सव भी भारतीय भाषाओं और उनकी सांस्कृतिक विरासत और बहुलता के सम्मान पर केंद्रित था।

कार्यक्रम की शुरुआत साहित्य मामलों के बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. कनक यादव के संबोधन से हुई, जिन्होंने वार्षिक उत्सव में अतिथियों और छात्रों का स्वागत किया। इसके बाद उप निदेशक प्रो. संपत राज वडेरा ने भारतीय भाषाओं और संस्कृति की विविधता के बारे में बात की।

दिन का पहला कार्यक्रम डॉ. अनुपमा मोहन द्वारा संचालित एक पैनल चर्चा थी, जो अनुवाद और प्रकाशन पर केंद्रित थी। डॉ. सोन्या नायर (संपादक, संयुक्ता पोएट्री), सुश्री प्रियंका सरकार (संपादक, अनुवादक, रमा मेहता राइटिंग ट्रस्ट) और सुश्री ईशा बनर्जी (संपादक, पैन मैकमिलन) ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रसिद्ध क्विजमास्टर मेजर चंद्रकांत नायर ने भी भारतीय विरासत पर एक अद्भुत क्विज आयोजित करके आईआईटीजे उत्सव में भाग लिया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को प्रोफेसर ग़ज़नफ़र अली (उर्दू), पद्म श्री चंद्र प्रकाश देवल (राजस्थानी), श्री कैलाश कबीर देथा (राजस्थानी), और श्री शीन कैफ़ निज़ाम (उर्दू) जैसे दिग्गज भारतीय कवियों द्वारा अपनी कविताओं का पाठ करने और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। अभिनय गुरुकुल सांस्कृतिक शैक्षणिक सोसायटी द्वारा "एक प्यार का ड्रामा है" शीर्षक से एक नाटक की प्रस्तुति दी और इसी के साथ इस साहित्यिक उत्सव का शानदार समापन किया गया।

आफ़ताब 24 कार्यक्रम के छायाचित्र

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में भाषा, संस्कृति और वैज्ञानिक खोज के अंतर्संबंध को इंगित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर वैश्विक समाज में प्रगति के प्रेरक के रूप में भाषाई विविधता और वैज्ञानिक प्रगति के मूल्य को महत्व प्रदान करते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का आयोजन 28 फरवरी, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर संस्थान की स्मारक दिवस समारोह समिति द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार हैः

- माननीय कुलसचिव भा.प्रौ.सं. जोधपुर, डॉ. हरिओम यादव द्वारा स्वागत भाषण ।
- प्रोफेसर तन्मय भट्टाचार्य, भाषा विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अतिथि व्याख्यान ।
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उत्सव ।
- प्रोफेसर सी. वी. जवाहर (भा.प्रौ.सं. हैदराबाद) द्वारा बहुभाषी प्रौद्योगिकियों पर अतिथि व्याख्यान ।
- डॉ. गुरुजेगन मुरुगेसन, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स, भा.प्रौ.सं. जोधपुर द्वारा व्याख्यान ।
- 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी या बहुभाषावाद पर नवीन अनुसंधान में भा.प्रौ.सं. जोधपुर के योगदान पर प्रस्तुति ।

इस अवसर पर भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी पर अपने शोध निष्कर्षों को प्रदर्शित करने के लिए एक 2 मिनट के प्रदर्शन (डेमो) के वीडियो कॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे 2 मिनट का प्रदर्शन (डेमो) वीडियो प्रतिभागी के शोध, कार्यप्रणाली और उल्लेखनीय निष्कर्षों या निहितार्थों को सफलतापूर्वक प्रस्तुत करने की अनुमति देता है । इसमें एक नवाचार प्रदर्शित करना, शोध प्रक्रिया समझाना, परिणाम प्रदर्शित करना यह सब आवंटित समय सीमा के भीतर प्रदर्शित किया गया ।

यह कार्यक्रम दर्शाता हैं कि संस्थान के भीतर समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने और प्रदर्शित करने के साथ-साथ हमारी मातृभाषाओं के महत्व का सम्मान करने के लिए संस्थान प्रतिबद्ध है । सभी की इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी रही तथा समारोह की सफलता में योगदान दिया और इसे एक यादगार बनाया ।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते प्रतिभागी

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के छायाचित्र

मेडिकल टेक्नोलॉजीस इनोवेशन पर भारतीय सम्मेलन (ICMI) 2024

ICMI 2024 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स जोधपुर (AIIMS) और जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (JCKIF) द्वारा संयुक्त रूप से मेडिकल टेक्नोलॉजी इनोवेशन पर एक अनूठा, तीन दिवसीय सम्मेलन 22-24 फरवरी 2024 को आयोजित किया गया। मेडटेक इनोवेशन पर भारतीय सम्मेलन (आईसीएमआई) भारत में चिकित्सा प्रौद्योगिकियों पर पहला विशेष सम्मेलन था। यह सम्मेलन फरवरी माह में जोधपुर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर दोनों द्वारा आयोजित किया गया। इस अनूठे सम्मेलन की शुरुआत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और एम्स जोधपुर द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के छात्रों द्वारा की गई थी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का चिकित्सा प्रौद्योगिकियों में यह कार्यक्रम देश में मास्टर्स, पीएचडी और मास्टर्स-पीएचडी दोहरी डिग्री प्रदान करने वाला अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। 2020 में शुरू किया गया, यह कार्यक्रम 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना में परिवर्तनकारी स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों, अंतःविषय सफलताओं, स्वास्थ्य देखभाल नवाचार की वैश्विक और राष्ट्रीय आवश्यकता के आधार पर चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में गहन-तकनीकी नवप्रवर्तकों को तैयार करने के लिए 'डिजिटल स्वास्थ्य मिशन' और 'मेक इन इंडिया' का एक बहु-विषयक कार्यक्रम है। इस सम्मेलन में दुनिया भर से मेड-टेक के क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ एक साथ आए। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और एम्स (AIIMS) जोधपुर के मेडटेक छात्रों और शिक्षकों ने ICMI 2024 के इस दूसरे संस्करण में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया।

ICMI दुनिया भर (और उद्योग) के शीर्ष विशेषज्ञों, अधिकारियों और नवप्रवर्तकों को महत्वपूर्ण विषयों का पता लगाने, भविष्य के लिए दृष्टिकोण साझा करने और उन्हें एक साथ बनाने के लिए एक साथ लाता है। इसकी उत्पत्ति चिकित्सा प्रौद्योगिकियों पर संयुक्त डिग्री कार्यक्रम में गहराई से निहित है। ICMI2024 सभी रचनात्मक प्रतिभागियों के लिए स्वास्थ्य सेवा नवाचार क्षेत्र में अपनी वैज्ञानिक कौशल का विस्तार करने का एक खुला अवसर है। सम्मेलन युवा दिमागों को प्रेरित करने और उन्हें उद्यमिता के लिए मार्गदर्शन करने पर केंद्रित था। इस अनूठे सम्मेलन के आयोजन से युवा दिमागों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उद्योग के बीच की खाई को पाटने की उम्मीद है।

ICMI 2024 कार्यक्रम के छायाचित्र

इग्नस 2024 (IGNUS 2024)

इग्नस भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का वार्षिक सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव है। इग्नस भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के वार्षिक कार्यक्रमों में एक विशेष स्थान रखता है क्योंकि यह छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, कौशल और रचनात्मकता दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह विश्वास है कि इग्नस छात्रों, संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों सभी के लिए एक उत्सव है। IGNUS'24 नृत्य, नाटक, संगीत, कला, साहित्य, फोटोग्राफी और जीवन शैली, आश्चर्यजनक IGMUN, अविश्वसनीय अनौपचारिक कार्यक्रम, रोमांचक डीजे नाइट, स्वादिष्ट भोजन और सितारों से सजे प्रोनाइट जैसे क्षेत्रों में रोमांचक कार्यक्रम से सुसज्जित एक रंगारंग कार्यक्रम है।

इग्नस में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए जैसे- नाच, गाना, संगीत, नाटक, कला, फिल्म निर्माण, साहित्य एवं क्विज इत्यादि। अतरंग, नृत्यांश, थंडरबीट्स एवं अय्याम इत्यादि इसके मुख्य कार्यक्रम है। साथ ही लोक-कलाओं तथा कलाकारों को भी इस समारोह में शामिल किया गया।

टेटू कला, मोलेला-टेराकोटा, पेपर डांस, पॉटरी, मूवी नाईट, मिस एंड मि. इग्नस, मेमे मेकिंग, फोटोग्राफी, रील मेकिंग जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

प्रकृति, जिसका अनुवाद "प्राकृतिक दुनिया" है, इग्नस की सामाजिक शाखा है। सामाजिक उन्नति की भावना हमें समाज को बेहतर बनाने के लिए अपने सामाजिक अभियान का उपयोग करने के लिए प्रेरित करती है। जनता और युवाओं को प्रेरित करने वाली गतिविधियों की योजना बनाकर, प्रकृति ग्रुप ने सामाजिक सरोकारों का जिम्मा उठाया है।

इग्नस 2024 डांस ग्रुप

इग्नस 2024 समारोह के चित्र

'विरासत 24' स्पिकमैके (SPICMACAY) कार्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने स्पिक मैके के सहयोग से 22 फरवरी 2024 को 'विरासत 2024' की मेजबानी की। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के लेक्चर हॉल परिसर में किया गया जिसमें संस्थान के कार्मिकों तथा मेहमानों ने कार्यक्रम का आनन्द लिया।

इस उत्सव की शुरुआत भारतीय संगीत और संस्कृति की एक महत्वपूर्ण हस्ती राजेंद्र प्रसन्ना के कला प्रदर्शन से हुई। बांसुरी (बांसुरी) और शहनाई के अग्रणी वादक के रूप में राजेंद्र प्रसन्ना ने दोनों वाद्यों में सर्वोच्च स्तर पर हासिल की गयी दुर्लभ महारथ का प्रदर्शन किया। पारंपरिक बनारस घराने के परिवार से आने वाले श्री राजेंद्र जी ने पीढ़ियों से चली आ रही भारत की प्राचीन संगीत और कलाओं को संरक्षित और प्रस्तुत किया। बनारस से दिल्ली की यात्रा रामपुर सहसवान घराने के उस्तादों के अधीन प्रशिक्षण और एडिनबर्ग फेस्टिवल एवं सिडनी ओपेरा हाउस सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनों ने उन्हें एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बना दिया है। उनके पुरस्कारों में सहारा इंडिया से लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, संगीत रत्न पुरस्कार और ग्रैमी अवार्ड शामिल हैं।

पहले दिन का मुख्य आकर्षण जयपुर घराने की मोनिसा नायक द्वारा मनमोहक कथक नृत्य रहा। लय और अभिव्यक्ति की महारत ने उन्हें आलोचकों की प्रशंसा और युवा पुरस्कार राष्ट्रीय उस्ताद बिस्मिल्लाह खान दिलाया है। पंडित राजेंद्र गंगानी की शिष्या और राष्ट्रीय संस्थान कथक केंद्र से स्नातकोत्तर, मोनिसा ने दुनिया भर के प्रमुख समारोहों में प्रदर्शन किया है। वर्तमान में, वह गंधर्व महाविद्यालय और अपने संस्थान, खानक इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स, नई दिल्ली में पढ़ाती हैं।

शाम का समापन चार यार समूह के प्रदर्शन से हुआ, जिसमें मदन गोपाल सिंह (संगीतकार, गायक, कवि), दीपक कैस्टेलिनो (गिटारवादक, बैंजो वादक), प्रीतम घोषाल (सरोद वादक) और अमजद खान (तालवादक) शामिल थे। उनके भावपूर्ण और ऊर्जावान प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अगले दिन संतूर वादक और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता पंडित तरुण भट्टाचार्य और कुचिपुड़ी नृत्यांगना और नाट्य तरंगिनी हैदराबाद की संस्थापिका यामिनी रेड्डी ने प्रस्तुति दी। यामिनी ने अपने प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें 'युवा रत्न पुरस्कार' और 'तेलंगाना का गौरव' पुरस्कार शामिल हैं।

इस महोत्सव में पांचवीं पीढ़ी के सितारवादक नीलाद्रि कुमार भी शामिल थे जो अपने अभिनव और गहन संगीत के लिए जाने जाते हैं साथ ही मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र के लोक गायक कालूराम बामणिया भी इस उत्सव में शामिल हुए, जो अपनी अनूठी संगीत शैली के माध्यम से कबीर जैसे रहस्यवादी कवियों के शब्दों को जीवंत कर देते हैं।

कार्यक्रम का समापन आयोजकों जिनमें संकाय सदस्य डॉ. आयला जॉनचेरे (स्कूल ऑफ लिबरल आर्टस, प्रोफेसर परफोर्मिंग आर्टस), भास्वती शर्मा (प्रोफेसर शास्त्रीय संगीत), सृजन सेनगुप्ता (सहायक आचार्य, धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग), और स्वयंसेवी छात्रों के बड़े समूह को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ उत्साह और समर्पण ने 'विरासत 2024' भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य कार्यक्रम को एक यादगार उत्सव बना दिया।

विरासत 2024 स्पिकमैके कार्यक्रम के छायाचित्र

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसका विषय था- "महिलाओं में निवेश करें: प्रगति में तेजी लाएं ।" इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को स्वीकार करना और उनका जश्न मनाना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और प्रगति के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। संस्थान से बड़ी संख्या में महिला कार्मिकों द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लिया गया।

12 मार्च 2024 लेक्चर हॉल परिसर में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरप्रीत कौर, कुलपति, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर थी। स्वागत भाषण माननीय उप निदेशक भा. प्रौ. सं. जोधपुर, प्रोफेसर संपत राज वडेरा द्वारा दिया गया। इसके अतिरिक्त 'हमारी लाडो' फाउंडेशन की संस्थापक, सुश्री प्रेमलता पूनिया द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के छात्रों (साहित्य कला बोर्ड) द्वारा पैनल चर्चा का भी आयोजन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के छायाचित्र

मानव व्यवहार तीन मुख्य स्रोतों से निर्मित होता है: इच्छा, भावना, और ज्ञान।
- प्लेटो

‘इंडियाज टेक-एड (India’sTechcade): चिप्स फॉर विकसित भारत'

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग की वृद्धि और विकास में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए "विकसित भारत के लिए भारत के टेक-एड-चिप्स" विषय पर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की लाइव स्ट्रीमिंग की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला। संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्रों से खचाखच भरा हॉल और उसके बाद भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में सेमिकंडक्टर क्षेत्र में किए जा रहे काम की झलक देखने को मिली। इसमें डिज़ाइन, निर्माण, सामग्री, पैकेजिंग, एम्बेडेड सिस्टम, सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण, सिस्टम संचार, IoT, सिस्टम इंटेलिजेंस और AI समाधान आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'इंडियाज टेक-एड: चिप्स फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम को संबोधित किया और लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये की तीन सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम के दौरान जिन सुविधाओं का उद्घाटन किया गया वे हैं - धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (डी.एस.आई.आर.), गुजरात में सेमीकंडक्टर निर्माण सुविधा, असम के मोरीगांव में आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (ओ.एस.ए.टी.) सुविधा और साणंद, गुजरात में आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (ओ.एस.ए.टी.) सुविधा। प्रधान मंत्री ने कहा कि 60,000 से अधिक कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस अनूठे आयोजन से जुड़े थे। प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम को देश के युवाओं के सपनों का कार्यक्रम बताया क्योंकि वे ही भारत के भविष्य के वास्तविक हितधारक हैं। युवा देख रहे हैं कि कैसे भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत उपस्थिति के लिए बहुआयामी तरीके से काम कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, "एक आत्मविश्वासी युवा देश की किस्मत बदल देता है।"

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी ने भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण को प्राथमिकता देने के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद दिया। यह कदम न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा देगा। यह आत्मनिर्भर भारत और अमृत काल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विकसित भारत के लिए चिप्स कार्यक्रम के आयोजन पर निदेशक महोदय का संबोधन

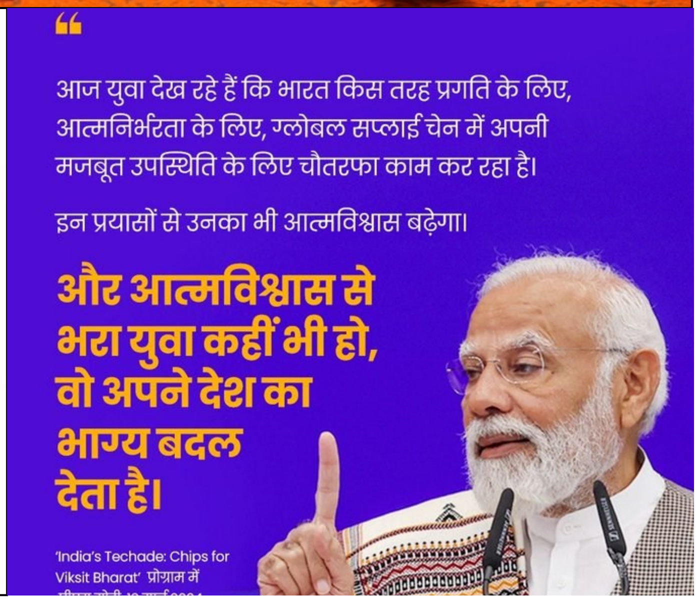

विकसित भारत के लिए चिप्स कार्यक्रम के आयोजन की कुछ झलकियां

विभागीय वार्ताएं

23 जनवरी 2024: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के IEEE इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी छात्र शाखा चैप्टर ने "इलेक्ट्रोस्टैटिक डिस्चार्ज: अवलोकन और अनुसंधान के अवसर" विषय पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के प्रोफेसर अविनाश लहगेरे द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया।

23 जनवरी 2024: रसायन अभियांत्रिकी विभाग ने "अगले तीन दशकों में भारत की 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह में डीप-टेक की भूमिका: अनुसंधान एवं विकास से लेकर व्यावसायीकरण तक की गायब कड़ियाँ" विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर आर आर सोंडे थे। प्रोफेसर सोनाडे वर्तमान में उच्च राख वाले कोयले का उपयोग करके मेथनॉल के उत्पादन पर नीति आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स के अध्यक्ष हैं।

12 फरवरी 2024: यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग और रोबोटिक्स और मोबिलिटी सिस्टम पर अंतःविषय प्रभाग ने संयुक्त रूप से प्रोफेसर टी. मात्सुमारू द्वारा "रोबोट की आगामी गतिविधि और इरादे की प्रारंभिक घोषणा और संकेत" विषय पर एक वार्ता आयोजित की। प्रोफेसर मात्सुमारू वर्तमान में टोक्यो के वासेदा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं और बायो-रोबोटिक्स और मानव-मेक्ट्रोनिक्स प्रयोगशाला के प्रमुख हैं।

20 फरवरी 2024: भौतिकी विभाग ने डॉ. तुलजा वरुण कोंड्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ, पोलैंड द्वारा "क्वांटम उलझाव के लिए उत्प्रेरक और असिम्टोटिक तुल्यता" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया।

22 फरवरी 2024: संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के संगणक विज्ञान विभाग के डॉ. वेंकट कोप्पुला द्वारा "क्रिप्टोग्राफी की जादुई दुनिया" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया।

22 फरवरी 2024: डॉ. अम्बर्टो टैम्पोनी, इस्टीटूटो नाज़ियोनेल डि फ़िसिका न्यूक्लियर, टोरिनो, इटली ने भौतिकी विभाग में "बेले II में क्वार्कोनियम के साथ क्यूसीडी की खोज" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

23 फरवरी 2024: भौतिकी विभाग ने मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रोफेसर रवींद्र पांडे द्वारा "2डी सामग्रियों के इंटरफ़ेस-संचालित गुण" विषय पर एक चर्चा सत्र का आयोजन किया।

28 फरवरी 2024: यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग ने प्रोफेसर फारुख मिस्त्री द्वारा "मेक टू डिज़ाइन एंड मेक" शीर्षक पर एक वार्ता आयोजित की। प्रोफेसर मिस्त्री अमेरिका के नॉर्मन, ओक्लाहोमा में यूनिवर्सिटी ऑफ ओक्लाहोमा में एयरोस्पेस एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्कूल में एल. ए. कॉम्प चेयर हैं।

28 फरवरी 2024: भौतिकी विभाग ने प्रोफेसर एस. दत्ता गुप्ता, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, हैदराबाद द्वारा "ऑप्टिक्स में फॉरवर्ड और इनवर्स स्पिन-हॉल प्रभाव" शीर्षक पर एक वार्ता का आयोजन किया।

05 मार्च 2024: गणितीय और कम्प्यूटेशनल अर्थशास्त्र केंद्र, स्कूल ऑफ एआई और डेटा साइंस ने डॉ. राजीव आर त्रिपाठी, भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर द्वारा "प्लेटफॉर्म व्यवसाय में विविध स्थिरता प्रथाओं के साथ आपूर्तिकर्ताओं का प्रबंधन" शीर्षक पर एक वार्ता का आयोजन किया।

06 मार्च 2024: रसायन विज्ञान विभाग ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख विश्वविद्यालय के आणविक जैवभौतिकी विभाग के प्रोफेसर बेन शूलर द्वारा "एकल-अणु स्पेक्ट्रोस्कोपी के साथ अव्यवस्थित प्रोटीन की गतिशीलता और अंत:क्रियाओं की जांच: अव्यवस्थित परिसरों से चरण पृथक्करण तक" शीर्षक पर एक वार्ता का आयोजन किया।

07 मार्च 2024: भौतिकी विभाग ने डॉ. हरेंद्र एस. धत्तरवाल, रटगर्स विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा "इलेक्ट्रॉनिक पैडल-व्हील्स ठोस अवस्था वाले इलेक्ट्रोलाइट्स में विसरण के साथ जुड़े होते हैं" शीर्षक पर एक वार्ता का आयोजन किया।

08 मार्च 2024: भौतिकी विभाग ने जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर के प्रोफेसर श्रीकांत शास्त्री द्वारा "अक्रिस्टलीय ठोसों में प्लास्टिसिटी और उपज" शीर्षक पर एक वार्ता का आयोजन किया।

15 मार्च 2024: कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे के डॉ. अविरूप मंडल द्वारा "फास्ट रीमेशिंग-फ्री फ्रैक्चर सिमुलेशन" शीर्षक पर एक वार्ता का आयोजन किया।

19 मार्च 2024: सेंटर फॉर मैथमेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल इकोनॉमिक्स, स्कूल ऑफ एआई एंड डेटा साइंस ने डॉ. विद्या सुंदरराजन द्वारा "क्या ग्रामीण सड़कें समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देती हैं?" शीर्षक पर एक वार्ता आयोजित की। डॉ. सुंदरराजन सेंटर फॉर एडवांस्ड फाइनेंशियल रिसर्च एंड लर्निंग (CAFRAL) में शोध निदेशक हैं और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे में अर्थशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

उपलब्धियां

डॉ. संदीप मुरारका, सहायक आचार्य, रसायन विभाग

डॉ. संदीप मुरारका को प्रतिष्ठित रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री जर्नल ‘ऑर्गेनिक केमिस्ट्री फ्रंटियर्स’ के प्रारंभिक कैरियर सलाहकार बोर्ड (ई.सी.ए.बी.) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

(कविता)

नाराज़गी

तुम्हारी नाराज़गी ... उफ़्फ़ !
घटा देती है ख़ूबसूरती तुम्हारी |
समझने में ये तुम्हे लगे,
शायद कुछ और दिन।

चैत के महीने में पावस की तरह,
अंकतालिका में गणित के अंकों की तरह,
या नगरपालिका के बाग़ में उगी खरपतवार की तरह;
नहीं फबती तुम पर ये, कतई !

दे कर खुद को दोष,
ईश्वर की सृष्टि को कम सुन्दर कर देने का,
भर जाता हूँ, अन्दर तक ग्लानि से उतना;
जितना हुआ करता था,
गर्मी की छुट्टियों में होमवर्क न कर पाने पर !

मत होना यों अगली दफ़ा नाराज़
ज्यों पड़ जाती हैं सिलवटें शर्ट पर
ताकि ना लिखनी पडे,
मुझे एक और कविता,
तुम्हारी नाराज़गी के प्रेम में पड़कर !

('राजस्थानी भाषा, संस्कृति एवं साहित्य अकादमी, बीकानेर', द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'मंडाण' (2013) में प्रकाशित राजस्थानी कविता का अनुवाद)

मूल कविता तथा अनुवाद:
प्रो० जय नारायण त्रिपाठी, सहायक आचार्य
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

जनवरी 2024 से मार्च 2024 के दौरान संस्थान में शामिल होने वाले नये स्टाफ सदस्य

डॉ. हरिओम यादव,
कुलसचिव

अभिजीत कर्माकर
मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी

आशीष उवराज नंदगवली
कनि.तक.अधीक्षक.

जय प्रकाश मीना
कनिष्ठ सहायक

जनवरी से मार्च 2024 के दौरान संस्थान में शामिल होने वाले संकाय सदस्य

पराग अरविंद देशपांडे
रसायन अभियांत्रिकी विभाग

ब्योमकेश देबता
प्रबंधन एवं उद्यमिता स्कूल

चंदन दत्ता
भौतिकी विभाग

श्रीजीत कृष्णन
सिविल एवं अवसरंचना अभि.

गांधी सौरभ राजेंद्र
ए.आई.डी.ई. स्कूल

शुवाजीत
सिविल अभियांत्रिकी

जनवरी-मार्च 2024, अंक - 04

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर